मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : जनवरी 2026

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01/01/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1 इन्दिरा गाँधी

इन्दिरा गाँधी भारत देश की,
प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं।
प्रतिभाशाली, सशक्त नेतृत्व कर,
चार बार इस पद पर रहीं।।

उनके कार्यकाल में हमारा देश,
परमाणु शक्ति के तौर पर उभरा।
हरित क्रांति, तकनीक संस्थान, से,
देश उन्नति की राह चल पड़ा।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 अमृता प्रीतम

31 अगस्त 1919 को अमृता का,
पंजाब प्रांत में जन्म हुआ।
उपन्यास कवि निबंधकार के रूप में,
विश्व में इनका नाम हुआ॥

पंजाबी भाषा की पहली कवियत्री के रूप में,
अनेक कृतियों का लेख लिखा।
31 अक्टूबर 2005 को अमृता ने,
नई दिल्ली में अपने शरीर का त्याग किया॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 गार्गी

वेद उपनिषद की महान ज्ञाता,
प्राचीन भारतीय दार्शनिक।
याज्ञवल्क्य से किया शास्त्रार्थ,
कुशल, विदूषि और आध्यात्मिक।।

ऋग्वेद में उनके लिखे भजन,
हिन्दू पूजा में होते आयोजित।
गर्ग गौत्र में उत्पत्ति के कारण,
गार्गी नाम से हुई प्रचलित।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 सावित्रीबाई फुले

भारत की थी वह, पहली महिला शिक्षिका,
मराठा कवित्री, और थी समाज सुधारिका।
नारी शिक्षा की बनी, प्रथम वह अग्रदूत,
सावित्री बाई फुले, था नाम जिनका।।

3 जनवरी 1831 को, उन्होंने था जन्म लिया,
पिता खन्दोजी, माता लक्ष्मी बाई ने नाम दिया।
9 वर्ष की उम्र में, सावित्री बाई का विवाह हुआ,
बालिका शिक्षा का, उनके मन में परवाह हुआ।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

02/01/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 लक्ष्मी बाई

झाँसी की रानी ने अकेले ही,
अंग्रेजों से लोहा लिया था।
मर्दानी ने अपने दत्तक पुत्र को,
पीठ पर बाँधकर युद्ध किया था।

लक्ष्मीबाई ने 18 जून 1858 को
अंग्रेजों से लड़ते हुए वीरगति पायी।
रानी ने खुद को आग लगा ली पर
जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आयी।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 रानी दुर्गावती

गढ़ा राज्य के शासक की,
महारानी थी रानी दुर्गावती।
अपने पति की मृत्यु के बाद,
कुशल प्रशासक बनी दुर्गावती।।

मुगलों के खिलाफ लड़ाई में,
आत्म बलिदान कर दिया।
महान विरांगना के रूप में,
इतिहास में नाम दर्ज किया।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 अपाला

वैदिक काल की वह कन्या,
नाम था जिसका अपाला।
महर्षि अत्रि और अनसूया की,
पुत्री का ओज था निराला।।

ऋगवेद के कुछ सूत्रों की,
आपने रचना कर डाली।
भारतीय संस्कृति में बुद्धि और,
तपस्या की अनूठी मिशाल रच डाली।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 इंदिरा गॉधी

राष्ट्रीय एकता दिवस,
हम 19 नवंबर को मनाते हैं।
शांति, चैन, भाईचारे का,
दीप जलाते हैं।।

पहली महिला प्रधानमंत्री,
का जन्मदिन मनाते हैं।
इंदिरा गाँधी के सम्मान में,
हम शीश झुकाते हैं।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

03.01.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 सुषमा स्वराज

वाणी में थी तेज़ धार,
हृदय में करुणा अपार।
नारी शक्ति का उजला रूप,
भारत का गौरव, साकार।।

सत्ता नहीं, सेवा पथ था,
जीवन उनका यही विचार।
जन-जन की पीड़ा सुनकर,
सुषमा कर देतीं क्षण में उपचार।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2 सरोजिनी नायडू

गांधीजी की अतिप्रिय शिष्या,
उत्तर प्रदेश की महिला राज्यपाल।
आंध्रप्रदेश सन् 1879 में जन्मी,
सरोजिनी नायडू शहर हैदराबाद।।

जन्म से होनहार व विदुषी,
इंग्लैंड से शिक्षा हासिल की।
स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी
निभाई कवयित्री की जिम्मेदारी।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3 सावित्री बाई फुले

नारी समाज का किया उत्थान,
पहली शिक्षित नारी बनी महान।
ज्योतिराव फुले संग मिलकर,
समाज सुधार के किये काम।।

1848 में बालिका शिक्षा का,
खोली पहली पाठशाला।
महिलाओं को शिक्षित कर,
असमानता को दूर भगाया।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4 उभया भारती

उभय भारती थी,
विद्या की देवी का अवतार।
मंडन मिश्र की अर्धांगिनी थीं,
ज्ञान की बसती थी उनमें धार।।

उभय भारती ने दिखाया,
निष्पक्षता और न्याय का पथ।
प्राचीन भारत मे महिलाओं का,
होता था सम्मान और ऊँचा पद।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

05/01/2026

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 एनी बेसेंट

आयरलैंड में जन्मी थी,
फिर भी भारत में अपनी थी।
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में,
एनी बेसेंट की मुख्य भूमिका थी।।

भारतीय संस्कृति को अपनाया,
देश प्रेम सबको सिखलाया।
भारतीय महिला राष्ट्रीय कांग्रेस की,
प्रथम अध्यक्ष बन सबको दिखलाया।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2 सावित्रीबाई फुले

भारत की पहली अध्यापिका,
और थीं समाज सुधारक।
ज्योतिबा फुले की पत्नी थीं,
जो थे बड़े प्रसिद्ध विचारक।।

शिक्षा की अलख जगायी,
एक राह नयी दिखलायी।
छुआछूत के विरुद्ध भी,
इन्होंने आवाज उठायी।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

3 रानी लक्ष्मीबाई

लड़ी अन्त तक अंग्रेजों से,
हार नहीं जो मानी थी।
भारत की जांबाज शेरनी,
झाँसी वाली रानी थी।।

मणिकर्णिका नाम बालपन,
पिता मोरोपन्त जी की सन्तान।
पुत्र बाँधकर पीठ पर लड़ी,
मातृभूमि पर दिया बलिदान।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4 इन्दिरा गाँधी

पण्डित नेहरू की पुत्री,
नाम बचपन का प्रियदर्शिनी।
बहुत ही होनहार, दूरदर्शी,
भारत की तीसरी प्रधानमन्त्री।।

पाकिस्तान को सबक सिखाया,
कर विभाजन नया देश बनाया।
लौह-महिला का मिला नाम,
देश प्रगति पथ पर था चलाया।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

06.01.2025 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 गार्गी

वैदिक काल की विदुषी,
वेद, उपनिषदों की ज्ञानी।
याज्ञवल्क्य से पूछे प्रश्न,
जनकदरबार में जग जानी।।

प्रश्न थे आत्मा और आकाश,
भूत-भविष्य-वर्तमान सम्बन्धित।
आधुनिक स्पेस-संकल्पना से जुड़े,
याज्ञवल्क्य हुए जिनसे प्रभावित।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2 अहिल्याबाई

महाराष्ट्र के चौंड़ी गाँव में,
अहिल्याबाई का जन्म हुआ।
आठ वर्ष की कम उम्र में,
खण्डेराव से विवाह हुआ।।

सुशासन, धर्म की मिसाल बन,
सांस्कृतिक पुनरुत्थान किया।
मालवा की महान रानी बनीं,
'लोक-माता' नाम प्रसिद्ध हुआ।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3 रानी कर्णावती

है इतिहास हमारा साक्षी,
क्रूरबहादुर शाह बनाना।
चाह रहा अपना चित्तौड़,
रानी कर्णावती चतुर थीं।।

सोची एक युक्ति बेजोड़,
बन कर बहिन भेज दी।
उसने मुगल हुमायूँ को राखी,
राखी ने लज्जा राखी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

4 मीराबाई

राजमहल का मोह छोड़कर,
श्री कृष्ण से प्रीत निभायी।
बचपन से वह कृष्ण दीवानी,
विष पीने पर न घबरायी।।

वृन्दावन की गलियों में वह,
भक्ति के गीत सुनाती थी।
कृष्ण जी के नाम पर मीरा,
बहुत व्याकुल हो जातीं थी।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

07/1/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 रजिया सुल्तान

भारत की प्रथम मुस्लिम शासिका,
होने का रजिया सुल्तान ने गौरव पाया।
उसने अपने थोड़े से ही शासन मे,
कई महत्वपूर्ण कार्यो को निभाया।

पर एक महिला का शासिका बनना,
कई सरदारो को बिल्कुल पसंद ना आया।
रजिया के खिलाफ अनेको षड्यन्त्र,
रचकर रजिया का वध करवाया।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 बेगम हजरत महल

बेगम हजरत महल,
जानी जाती बेगम अवध की।
जो 1857 भारतीय विद्रोह में,
ईस्ट इंडिया कंपनी खिलाफ अग्रणी थी।।

अदम्य साहस से भरपूर,
सम्मान में उनके टिकट हुआ था जारी।
प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में,
सहयोग रहा था उनका भारी।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 रानी लक्ष्मीबाई

महान वीरांगना यह,
नाम रानी लक्ष्मीबाई।
झांसी की रानी यह,
अंग्रेजों से लड़ी लड़ाई।।

1858 में रणभूमि में,
वीरगति को प्राप्त हुई।
स्वतंत्रता संग्राम में,
भारत की प्रतीक बन गई।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 दुर्गावती

गढ़ राज्य की विरांगना,
दलपतशाह की अर्धांगना।
दोनों हाथों में होती तलवार,
दुश्मनों पर करती वह प्रहार।।

मंदिर,मठ और कुएं बनवाएं।
प्रजा हित में सस्त्र कदम उठाए।
नारी वाहिनी का गठन किया,
युद्ध में वीरतापूर्ण आत्मदाह दिया।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

08/01/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 कादिम्बिनी गांगुली

भागलपुर में जन्मी एक बेटी,
कादिम्बिनी गांगुली नाम हुआ।
कोलकाता विश्वविद्यालय से पढ़ीं,
चिकित्सा में अद्भुत काम हुआ।।

भारत की नहीं साउथ एशिया की,
पहली महिला फिजीशियन बनीं।
यूरोप जाकर आगे की पढ़ाई की,
जेल भी जाना पड़ा, पर डटी रहीं।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 हिमा दास

असम की माटी से निकली,
सपनों की एक चिंगारी।
नंगे पांव खेतों में दौड़ी,
बनी देश की फुलकारी॥

ट्रैक बना उसका आंगन,
हौसला बनी उसकी पहचान।
सोने से सजे पदक उसके,
जिससे गुंजा भारत का मान॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 मीराबाई

कृष्ण भक्त, वह दीवानी थी,
राजमहल छोड़, बनी बैरागी थी।
लोक-लाज का चोला छोड़ा,
केशव से था नाता जोड़ा।।

लोक निंदा ने क्रूर कार्य किया,,
विष का प्याला, उन्हें दे दिया।
भक्ति ने अपना असर दिखाया,
ज़हर भी उनका कुछ न कर पाया।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 लक्ष्मीबाई

निर्भीक साहसी , वह थी मर्दानी,
अंग्रेजों से की लड़ाई, हार न मानी।
रण में निकल पड़ी, जांबाज शेरनी,
पीठ पर पुत्र को बांधे , खूब लड़ी।

काशी में उनका जन्म हुआ,
पिता मोरोपंत की थी संतान।
मणिकर्णिका था नाम उनका,
मातृभूमि रक्षा हेतु, हुई बलिदान।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

09/01/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 झलकारी बाई

बुन्देल खण्ड की झलकारी बाई,
रण में गोरों को ललकारी थी।
शौर्य, पराक्रम और साहस की,
यह देवी अंग्रेजों पर भारी थी।।

दुर्गा दल की सेनापति बनकर,
बहादुरी की लिखी कहानी।
लक्ष्मीबाई का वेश धारणकर,
अंग्रेजों से लड़ते हुए दी कुर्बानी।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 गार्गी

प्राचीन भारत की दार्शनिक,
विदुषी गार्गी वाचक्नवी थी।
ऋषि वचक्नु की यह पुत्री,
वेद साहित्य की ज्ञाता थी।।

याज्ञवल्क्य के साथ शास्त्रार्थ,
उपनिषद वेदों का हिस्सा है।
ब्रह्मवादिनी के नाम से विदुषी,
भारतीय विदुषियों में एक है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 झाँसी

झाँसी की रक्षा की खातिर,
जिसने तलवार उठाई थी।
भारत की वह वीर बेटी,
रानी लक्ष्मीबाई थी।।

अपने शौर्य पराक्रम से,
अंग्रेजों को धूल चटाई थी।
रानी की वीरता की कहानी,
बुन्देलों ने गायी थी।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 सरोजिनी नायडू

सरोजिनी नायडू भारत की नाइटिंगेल,
महिला सशक्तिकरण की मिसाल हैं।
उनकी कविताएं दिल को छू जाती,
आजादी की लड़ाई में योगदान है।।

13 फरवरी 1879 को हुआ जन्म,
गांधी जी ने भारत कोकिला दिया नाम।
महिलाओं के लिए आवाज उठाई,
महिला शक्ति की है पहचान।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

10.01.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 अपाला

रोग से पीड़ित था तन,
पर मन श्रद्धा में ढाला।
वेद की रचना में अमर हुई,
नारी विदुषी अपाला।।

जीवन में जो तिरस्कार था,
पर अडिग रही हर राह।
विश्वास मंत्र के बल पर,
साहस से बही प्रवाह।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2 घोषा

प्राचीन वैदिक ऋषि व विदुषी,
ऋग्वेदीय दो मंत्रों की रचना की।
विकृत त्वचा रोग से रही पीड़ित,
अश्विनी कुमारों की शिष्या रहीं।।

घोषा कक्षीवान की पुत्री थीं।,
आश्रम वासियों की लाडली।
तपस्या से स्वास्थ्य हासिल किया,
महान दार्शनिक व द्रष्टा थीं।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3 मैत्रेई

मैत्रेई थी एक विदुषी नारी,
थीं भारत की ब्रह्मवादिनी।
याज्ञवल्क्य ऋषि की पत्नी,
जो वेदों की व्याख्या करती।।

बृहदारण्यक उपनिषद में,
आत्मा-प्रकृति पर किया संवाद।
भौतिकता को मिथ्या माना,
आत्मज्ञान को माना प्रथम वाद।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4 लोपामुद्रा

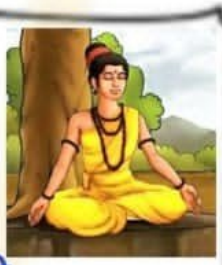

ऋग्वेद के पन्नों में गूंजती है,
वैदिक नारी की स्वर लहरी।
लोपामुद्रा थी भारत की वो विदुषी,
जिसने कही स्त्री हृदय की बात गहरी।।

तेरे नाम से ही जलती है,
स्त्री स्वतंत्रता की ज्योति।
तेरी ऋचा में सिमटा है,
स्त्री प्रेम का सच्चा मोती।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

12/01/2026

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 गार्गी

राजा जनक की समकालीन,
वेदों की थी ज्ञाता।
गार्गी को शास्त्रार्थ में,
नहीं कोई हरा पाता।।

ऋषि वाचक्नु की पुत्री,
किया याज्ञवल्क्य से शास्त्रार्थ।
वेदों के रहस्यों का,
तब समझाया था अर्थ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2 सावित्री

भारतीय महान नारी,
नहीं कोई उस पर भारी।
यमराज से ले आई प्राण,
पति के लिए जीवन दान।।

पतिव्रता उस नारी का सम्मान,
सावित्री रखते कन्याओं का नाम।
पिता अश्वपति और माता मालती,
थी सत्यवान हरिश्चंद्र की पत्नी।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3 अपाला

माता अनुसुइया की पुत्री,
पिता थे उनके ऋषि अत्रि।
था वेदों का ज्ञान निराला,
कहते थे उन्हें अपाला।

चर्म रोग से मुक्ति पाने को,
तप किया था भारी ।
वरदान देकर देवेंद्र ने,
पूरी की थीं इच्छा सारी ।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

4 अनुसुइया

वेदों में वर्णित है युगों से,
सती अनुसुइया का सतीत्व ज्ञान।
महर्षि अत्रि की पतिव्रता पत्नी,
दुर्वासा की थी माता महान।।

सतीत्व की जब लेने परीक्षा,
घर पर आए त्रिदेव सुजान।
निर्वस्त्र होकर दान दे रही,
बना दिया बालक नादान।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

13.01.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

नारी की यह शान कहलायी, **अनुसुइया**
संस्कारों से पहचान बनायी।
त्याग-तपस्या इनका गहना,
संयम, धैर्य का क्या ही कहना?

देवताओं ने परीक्षा को ठाना,
अनुसुइया का लोहा माना।
इनके चरित्र की नहीं मिशाल,
नारी अस्तित्व को रखा सम्भाल।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2

भारत की योद्धा नारी, **रानी लक्ष्मीबाई**
महानतम स्वतन्त्रता-सैनानी।
अंग्रेजों से जा लड़ी अकेली,
वह थी झाँसी की रानी।।

हिन्दू राजाओं के संग,
बिगुल बजाया स्वतन्त्रता का।
नेतृत्व, त्याग, मातृभूमि के प्रति,
प्रेम पाठ सिखाया समानता का।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

पिता राजा अश्वपति और, **सावित्री**
माता माधवी कहलायी।
मद्र राज्य की राजकुमारी,
सावित्री नाम से जानी गयी।।

सत्यवान से विवाह कर,
पतिव्रता कहलायी।
यमराज से पति को लाकर,
सती सावित्री प्रसिद्ध हुयी।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

जय-हो, पन्ना धाय माता। **पन्ना धाय**
तुझसे रंजित सकल दिशाएँ,
भारत का जन-जन तेरा,
निश-दिन गौरव गाता।।

अन्तर के अरमान न्यौछावर,
चन्दन के कर प्राण न्यौछावर।
तपस्विनी हो तुम जननी,
महिमा जन विख्याता।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

14/1/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

अपाला

वैदिक काल की नारियो मे,
अपाला का भी है प्रमुख स्थान।
अपनी आध्यात्मिक शक्ति से,
उसने पाया जगत मे बड़ा सम्मान।

उसका एक संदेश जगत को जाता,
दृढ़ इच्छा शक्ति से सब संभव हो पाता।
अपनी दृढ शक्ति,निष्ठा से कार्य किया,
असंभव को भी संभव बना दिया।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

घोषा

घोषा ऋग्वेद की प्रमुख ऋषिका,
प्रसिद्ध ऋषि दधीचि की दुहिता।
उनकी थी बड़ी तेजस्वी विद्वत्ता,
सूक्तो के निर्माण की थी क्षमता।।

उनके मंत्रों में विशेष आरोग्य होते,
दीर्घायु जीवन की कामना करते।
आत्मविश्वास से भरे जीवंत होते,
स्त्री शक्ति को है यह बखूबी दर्शाते।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

गार्गी

प्राचीन भारत की महान,
विदुषी व दार्शनिक गार्गी।
वैदिक काल की महान,
महिला विचारक गार्गी।।

ब्रह्म विद्या का इन्हें ज्ञान,
ब्रह्मवादिनी यह कहलायी।
वैदिक काल में इन्होंने,
स्त्री शिक्षा की ज्योत जलायी।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

मैत्रेयी

प्राचीन भारत की पहचान,
यह थी मैत्रेयी विदुषी महान।
आत्म ज्ञान की गहन खोज,
बुध्दिमता से थी ओतप्रोत।।

ऋषि याज्ञवल्क्य की धर्मपत्नी,
वेद व्याख्या की थी निपुर्णिनी।
ज्ञान जगत में है इनका सम्मान,
हम सबको है इनपर अभिमान।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

15/01/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1 मैरीकॉम

मैरीकॉम मणिपुर में जन्मी,
भारत की प्रमुख मुक्केबाज हैं।
उनकी सारी उपलब्धियों पर,
पूरे भारत को उन पर नाज़ है।।

छः बार विश्व विजेता बन चुकीं,
इनके जीवन पर फिल्म भी बनीं।
पद्म श्री, अर्जुन पुरस्कार के साथ,
खेल रत्न के लिये भी चुनी गयीं।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 कित्तूर की रानी चेनम्मा

अंग्रेज़ी सत्ता को ललकारा जिसने,
कित्तूर की धरती पर इतिहास सँवारा जिसने।
नारी शक्ति का उजला प्रमाण बनी,
रानी चेनम्मा शौर्य की पहचान बनी॥

तलवार उठी तो गूँज उठा आसमान,
आँखों में था आज़ादी का स्वाभिमान।
सिंह जैसी गर्जना, साहस अपार,
विदेशी शासन से किया खुला इन्कार॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 सरोजिनी नायडू

राजनेता और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी,
सरोजिनी नायडू थी लेखन की दीवानी।
उत्तर प्रदेश की बनी थी पहली राज्यपाल,
भारतीय कोकिला के नाम से जाती जानी।।

महिला अधिकारों के लिये उठाती आवाज,
देश के जन-जन को था उन पर बड़ा नाज़।
नमक सत्याग्रह आंदोलन में हिस्सेदार बनी,
राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष का भी पहना ताज।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 अमृता प्रीतम

पंजाबी लेखकों में लोकप्रिय अमृता प्रीतम,
31अगस्त गुजराँवाल में जन्मीं अमृता प्रीतम।
100 से अधिक पुस्तकें आपने थे लिखें,
'रसीदी टिकट' चर्चित आत्मकथा है उनके।।

1969 में अमृता प्रीतम को साहित्य में,
'पद्मश्री सम्मान' से सम्मानित किया गया।
स्त्री मन को अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया,
2004 में, पद्म विभूषण सम्मान दिया गया।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

16/01/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 सावित्रीबाई फुले

सावित्रीबाई फुले ने भारत में,
नारी शिक्षा की अलख जगाई।
सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ़,
उन्होंने जमकर लड़ी लड़ाई।।

लोगों ने उनपर कीचड़ फेंका,
पर वे संघर्ष से कभी न घबराई।
प्रथम कन्या स्कूल पुणे में खोला,
पहली महिला शिक्षिका कहलाई।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 अपाला

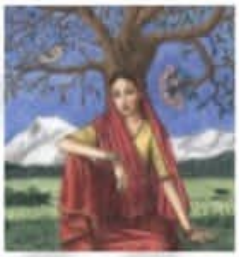

महर्षि अत्रि की बुद्धिमान,
पुत्री थी विदुषी अपाला।
वेदों पुराणों की महान ज्ञाता,
अनुसूइया की पुत्री थी अपाला।।

ऋग्वेद के 8वें मण्डल के,
91सुक्तों की रचयिता अपाला।
कुशाग्रबुद्धि तेज स्मरणशक्ति,
ब्रह्मवादिनी थी अपाला।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 सुचेता कृपलानी

भारत की वह बेटी और,
महान स्वतन्त्रता सेनानी।
राजनीति में भी थी सक्रिय,
नाम उनका सुचेता कृपलानी।।

देश के स्वतन्त्रता आन्दोलन में,
जेल भी गयीं सुचेता कृपलानी।
उत्तर प्रदेश की महिला मुख्यमन्त्री,
बनी थी सुचेता कृपलानी।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 अहिल्याबाई होल्कर

मातृभूमि की सेवा में,
जिसने जीवन वार दिया।
मालवा की उस रानी ने,
न्याय का सँचार किया।।

त्याग, तपस्या और भक्ति का,
वो साक्षात स्वरूप थीं।
दीन-दुखियों के संकट में,
वो ममता का रूप थी।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

बाल साहित्य सृजन

1 अहिल्या

अहिल्या शिला बनी थी,
श्राप की पीड़ा ढोती।
नारी की चुप वेदना,
पत्थर बन कर रोती।।

राम चरण की रज पड़ी,
जाग उठा विश्वास।
पत्थर में भी प्राण जगे,
मिटा युगों का त्रास।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2 विशम्भरा

ऋग्वेद काल की ब्रह्मवादिनी,
दार्शनिक व महान विदुषी।
यज्ञ व धार्मिक अनुष्ठानों में की,
सुनिश्चित महिला भागीदारी ।।

ऋग्वेद के पाँचवें मण्डल के,
मंत्रों का है विश्वम्भरा को श्रेय।
सुखी वैवाहिक जीवन के मंत्र,
व जिनसे प्रसन्न हो अग्निदेव।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3 विद्योतमा

महान विदुषी नारी थी,
प्रसिद्धि उनकी भारी थी।
ज्ञान, विद्वता में थी निपुण,
शास्त्रार्थ करने में थी निपुण।।

कालिदास से हुआ विवाह,
ज्ञानहीन से हुआ विवाद।
ज्ञानचक्षु पति के खोले उसने,
कवि सम्राट बनाया जिसने।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4 देवयानी

शुक्राचार्य की पुत्री थी,
कमल सी थी सुन्दरी।
सरोवर बन गयी देव्यानी,
जो अपमान के कुँए में थी गिरी।।

ययाति संग बंधा था,
विवाह के बंधन का सूत्र।
यदु और तुर्वसु थे,
देवयानी के दो पुत्र।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

19/01/2026 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 सुचेता कृपलानी

पहली महिला मुख्यमन्त्री,
सुचेता कृपलानी जी नाम।
गांधी जी के संग मिलकर,
सफ़ल बनाया स्वतंत्रता संग्राम।।

देशसेवा में जो रही थी,
आजीवन तल्लीन।
हृदय गति रुक जाने से,
हुई पंचतत्व में विलीन।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 सरोजिनी नायडू

कोयल जैसी वाणी इनकी,
भारत कोकिला कहलायी।
आजादी की लड़ी लड़ाई,
कांग्रेस में थी आयी।।

अपनी कविताओं से,
देशवासियों मे जोश भरा।
पहली राज्यपाल बनकर,
उत्तर प्रदेश में गर्व भरा।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3 लक्ष्मी सहगल

महान नारी देश की शान,
लक्ष्मी सहगल जिनका नाम।
स्वतन्त्रता आन्दोलन में कूद पड़ी,
अंग्रेजों के खिलाफ थी लड़ी।।

आजाद हिन्द फौज में शामिल हुई,
महिला मामलों की मन्त्री बनी।
कैप्टन लक्ष्मी नाम से जानी गई,
स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बनी।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4 भीकाजी कामा

भारत का राष्ट्रीय ध्वज,
इन्होंने ही बनाया था।
पेरिस के कांग्रेस अधिवेशन में,
प्रथम बार तिरंगा फहराया था।।

विदेशों में भारत की,
स्वतन्त्रता की अलख जगायी।
भीका जी ने पूरे विश्व में,
अन्याय पर आवाज़ उठायी।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

20.01.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 भानु अथैया

पन्ने-पन्ने पर अंकित है,
भानु अथैया की कहानी।
अद्भुत ड्रेस-डिजाइनर विश्व की,
ऐसी मिलती कहाँ निशानी।।

अमित शक्ति है तेरे मन में,
राष्ट्रभक्ति है तेरे तन में।
याद रखेगा सदियों भारत,
अमिट रहेगी ये हिन्दुस्तानी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

2 सरोजिनी नायडू

भारत छोड़ो आन्दोलन में,
अहम भूमिका निभायी।
महिलाओं के अधिकारों हेतु,
'महिला-भारत' सभा करायी।।

देश-प्रेम था दिल में अपार,
'भारत कोकिला' कहलायी।
स्वतन्त्र भारत की पहली महिला,
राज्यपाल आप थीं बनायी।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3 सुचेता कृपलानी

स्वतन्त्रता सैनानी, राजनीतिज्ञ,
उत्तर प्रदेश की मुख्य मन्त्री।
साहस, समर्पण की प्रतिमूर्ति,
आचार्य कृपलानी की पत्नी।।

शिक्षित बंगाली परिवार में जन्मीं,
पिता एक चिकित्सक थे।
समाज सेवी, दृढ़ प्रशासक,
महिलाओं के प्रति प्रेरक बिचार थे।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4 सरला ठकराल

भारत की वीर महिलाओं में,
सरला ठकराल का नाम आता।
विमान उड़ाने वाली पहली,
भारतीय महिला कहा जाता।।

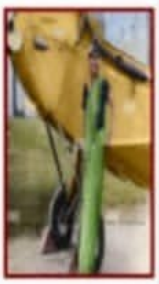

इक्कीस-वर्ष की अल्प-आयु में,
जिप्सी-मोठ को अकेले उड़ाया।
एक हजार घण्टे की उड़ान,
पूरी कर, दुनिया को चौंकाया।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० -राजपुर
मथुरा, मथुरा

21/1/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 रानी पद्मावती

इतिहास की वीरांगनाओ मे है,
चित्तौड़ की रानी पद्मावती का नाम।
हम सभी भारतीय उनका बड़े ही,
गर्व और आदर से करते है सम्मान।।

अलाउद्दीन की सेना ने जब दुर्ग पर,
चारो तरफ से घातक हमला कर दिया।
तब रानी ने सम्मान की रक्षा करते हुए,
अन्य नारियो के साथ जौहर कर लिया।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 झलकारी बाई

जन्म हुआ था झांसी में,
वो थी झलकारी बाई।
प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में,
अंग्रेजों के विरुद्ध की थी लड़ाई।।

भारत सरकार ने 22 जुलाई 2001 में,
सम्मान में उनके टिकट किया जारी।
जगह-जगह प्रतिमा स्मारक खड़े हैं,
इतिहास में है अमर कहानी।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 रानी चेनम्मा

कित्तूर राज्य की यह रानी,
हड़प नीति का विरोध किया।
अंग्रेजों से हार इन्होंने न मानी,
अपने अपूर्व शौर्य का प्रदर्शन किया।।

इन्हें दक्षिण भारत में,
रानी लक्ष्मीबाई कहा जाता।
भारत की पहली शासकों में,
चेनम्मा का भी नाम आता।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 उदा देवी

ना घबराई दुश्मनों से,
ऐसी थी वह बहादुर।
सिकंदर बाग विद्रोह में,
अंग्रेजों को भगाया दूर।

मार गिराए अंग्रेजी सेना,
और खुद हो गई शहीद।
दलित विरांगना देश की,
अद्भुत वीरता की प्रतीक।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

22/01/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1 दीपा कर्माकर

ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली
भारत की पहली जिम्नास्ट बनी।
दीपा कर्माकर त्रिपुरा राज्य के,
अगरतला में है ये जन्मी।।

राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक,
जीतने वाली प्रथम जिम्नास्ट हैं।
2024 में उन्होंने घोषणा की,
लिया खेलों से सन्यास है।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 अमर मिशाल पन्ना

गोद में बच्चा, दिल में तूफ़ान,
पन्ना के सामने था कठिन इम्तिहान।
एक ओर ममता की सच्ची पुकार,
दूजी ओर मेवाड़ का भविष्य अपार॥

कंपते हाथों से नहीं, अडिग मन से,
उसने इतिहास रचा अपने संकल्प से।
अपने ही लाल को कर दिया बलिदान,
ताकि जीवित रहे मेवाड़ की शान॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 कल्पना चावला

कल्पना चाबला ने भरी एक अद्भुत उड़ान,
निडरता से किया उसने अंतरिक्ष में प्रस्थान।
नासा की विवेचना कर छात्रों को समझाती,
अंतरिक्ष को मानती थी भविष्य और वर्तमान।।

जीवन कर दिया अर्पण उसने उसी उड़ान में,
हुई विलीन अंतरिक्ष में दिखी न फ़िर जहान में।
पूरे देश को कर गौरवांवित बन गई ऐसी प्रेरणा,
नतमस्तक शीश झुकाते हम सब उनके सम्मान में।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 पी०वी०सिंधु

सिंधु जी का 5 जुलाई 1995 को जन्म हुआ,
पी वी रमण और माँ पी विजया के घर हुआ।
पुलेला गोपीचंद से प्रभावित होकर,
बैडमिंटन को कैरियर रूप में चुना।।

टोक्यो ओलंपिक सन 2020 में सिंधु ने,
चीन के हेबिंगन को हराकर, कांस्य पदक जीता।
राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार एवं
पद्मश्री सम्मान भी उन्हें है मिला ।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

23/01/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 सरोजिनी नायडू

एक कवयित्री व राजनेता भारत की
पहली महिला राज्यपाल बनीं।
वे भारत का राष्ट्रीय गौरव और
स्वाभिमान का प्रतीक बनीं।।

सरोजिनी नायडू ने महिलाओं के
अधिकारों के लिए आवाज उठाई।
सुंदर रंग व कल्पना भरी कविताएं
लिखकर भारत कोकिला कहलाई।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 घोषा

ऋषि कशीवत की पुत्री,
महान दार्शनिक घोषा थी।
ऋग्वेद में सुक्तों की रचयिता,
मंत्रद्रिका विदुषी घोषा थी।।

दिव्य चिकित्सक तपस्या से,
स्वयं को निरोगी बनाया।
दृढ़ इच्छाशक्ति और आशा से,
स्वयं को प्रेरणास्रोत बनाया।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 महादेवी वर्मा

आधुनिक मीरा के नाम से,
सारी दुनिया ने उन्हें पुकारा।
छायावादी लेखिका वह,
महादेवी उनका नाम था प्यारा।।

अनेकों रचनाएँ लिखकर,
हिन्दी को अपने समृद्ध बनाया।
भारतीय साहित्य में योगदान देकर,
ज्ञानपीठ पुरस्कार पाया।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 मैत्रेयी : ज्ञान साधिका

वेदों की वह प्रखर चेतना,
ज्ञान पुंज की धार थीं,
मैत्रेयी मात्र नाम नहीं,
दर्शन का विस्तार थीं।।

उपनिषदों की अमर कथा में,
गूँज रही उनकी वाणी,
नारी, गरिमा, और बुद्धि की,
वह अनुपम अमर कहानी।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

24.01.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 मीराबाई

कृष्ण भक्ति में ऐसी डूबी,
कृष्ण–कृष्ण सी हो गई मीरा।
मन को रंगी श्याम के रंग में,
तन की सुध बुध खो गई मीरा।।

लोक, लाज, कुल की मर्यादा,
तज कर दूर निकल गई मीरा।
विष को पीकर अमर हो गई,
जीवन सार्थक कर गई मीरा।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2 नीरजा गुलेरी

भारतीय फ़िल्म निर्देशक,
टेलिविज़न धारावाहिक।
चंद्रकांता का निर्माण कर,
प्रतिष्ठित हुई नीरजा गुलेरी।।

द ग्रेट मराठा सीरियल व,
तेजी फिल्म का निर्देशन कर।
ऐतिहासिक रूप से हुई,
लोकप्रिय नीरज़ा गुलेरी।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3 सुभद्रा कुमारी चौहान

वीर रस की महान कवयित्री,
सुभद्रा कुमारी चौहान।
नारी शक्ति की अलग पहचान,
कवि जगत कि थी वह शान।।

देशभक्ति पर कविता लिखकर,
देशप्रेम का भाव जगाया।
'झांसी की रानी' थी बड़ी महान,
भारत देश की थी वह अभिमान।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4 महादेवी वर्मा

नीर भरी बदली बनकर,
बरसी उनकी आँखें।
प्रेम की व्यथा में डूबी,
फिर भी प्रेम की राहें।।

मैं नीर भरी दुख की बदली,
यह स्वर है उनकी धड़कन।
हर शब्द में छिपा था जैसे,
कोई अनकहा मधुर वेदन।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

26/01/2026 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 पी०टी०ऊषा

यह भारत की उड़न परी,
उत्साह से है सदा भरी।
विपरीत परिस्थिति में भी,
दौड़ने से कभी नहीं डरी।।

दौड़ में कीर्तिमान बनाया,
एशियाड में परचम फहराया।
भारत की सभी बेटियों को,
एक नया मार्ग दिखलाया।।

रचना-
बृजराज सारस्वत(इं०प्र०अ०)
क० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

2 दुर्गावती

गोंडवाना की कुशल शासिका,
एक बहादुर रानी थी।
नाम था दुर्गावती जिनका,
साहस, शौर्य की बानी थी।।

मुगलों से वह लड़ते-लड़ते,
हुई मातृभूमि पर कुर्बान।
मृत्यु को गले लगाया लेकिन,
सहा नहीं था तनिक अपमान।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3 कर्णम मल्लेश्वरी

आन्ध्रप्रदेश में जन्मी,
है महिला भारोत्तोलक।
सिडनी ओलम्पिक में,
जीता था कांस्य पदक।।

पुरुषों के इस खेल में,
महिला परचम लहराया।
महिलाओं के सम्मान को,
दृढ निश्चय को दिखलाया।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4 बछेंद्री पाल

हिम्मत संघर्ष और शिखर,
तक पहुँचने की कहानी।
प्रथम भारतीय महिला,
बछेंद्री पाल की कहानी।।

कभी ना घबराई ना डगमगाई,
है हिम्मत की ऐसी मिसाल।
एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने वाली,
भारतीय प्रथम महिला बछेंद्री पाल।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

27.01.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 मैत्रेयी

वैदिक काल की विदुषियों में,
मैत्रेयी का नाम विख्यात।
महर्षि याज्ञवल्क्य की पत्नी,
कहलायीं वेदों की व्याख्याकार।

महाभारत और ग्रह-सूत्रों में,
वर्णित मैत्रेयी का नाम।
ऐसी महान विदुषी को,
करें शत-शत प्रणाम।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय-राजपुर
मथुरा, मथुरा

2 सावित्री बाई फुले

सावित्री फूले बाई हैं,
पहली महिला शिक्षिका।
प्रथम बालिका विद्यालय की,
तुम ही रहीं संस्थापिका।।

किया समाज सुधार,
रोशनी शिक्षा की फैलायी।
शोधक, सत्य, समाज को,
बनाने में भूमिका निभायी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3 रानी चेनम्मा

साहस और शौर्य भरा चेनम्मा में,
बचपन से घुड़सवारी करती थी।
भारत की आजादी के लिए लड़ी,
अँग्रेजों से बिल्कुल न डरती थी।।

ब्रिटिश आदेश का उल्लंघन कर,
अंग्रेजी सरकार से टकराई थी।
अंग्रेजों ने इन्हें कैद कर लिया,
कैदखाने में ही मृत्यु पायी थी।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4 रमाबाई

रामाबाई रही हैं अग्रणी,
भारतीय समाज सुधारक।
शिक्षाविद्, महिला उत्थान की,
वह थीं प्रबल समर्थक।।

महिला-शिक्षा, विधवा-पुनर्विवाह,
बाल-विवाह का बिरोध किया।
'शारदा-सदन', 'आर्य महिला सभा',
'मुक्ति-मिशन' स्थापित किया।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

28/1/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 दुर्गा भाभी

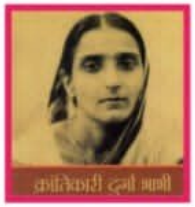

कुछ नाम इतिहास मे एक,
अलग पहचान बना जाते है।
क्रांतिकारियो मे एक वीर नारी को,
हम दुर्गा भाभी के नाम से जानते है।।

साणडर्स कांड के बाद भगतसिंह को,
बचा कर कोलकाता जे जाना था।
दुर्गा भाभी ने बड़ी बहादुरी और,
सूझबूझ से अंजाम तक निभाया था।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 अरूणा आसिफ़ अली

अरुणा आसिफ अली,
ग्रैंड ओल्ड लेडी कहलाई।
भारत छोड़ो आंदोलन में,
अपनी प्रमुख भूमिका निभाई।।

खतरों का सामना करते हुए,
बहादुरी अपनी खूब दिखाई।
कई सम्मान मिले थे उन्हें,
मातृशक्ति की बनी प्रेरणादाई।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 भीकाजी कामा

महिलाओं के अधिकारों के,
लिए उनकी पैरोकार बनी।
अंतरराष्ट्रीय समर्थन को भी जुटाया,
भारतीय क्रांति की यह जननी।।

देश की आजादी में अपना,
जीवन समर्पित कर दिया।
विदेश में रहकर वन्दे मातरम् ,
पत्रिका को प्रकाशित किया।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 लक्ष्मी सहगल

आजाद हिंद फौज में शामिल,
सामाजिक सेवा थी धरातल।
झांसी रेजीमेंट की नेतृत्वकर्ता,
भारतीय महिला कुशल कर्ता।।

पद्म विभूषण से सम्मानित,
नारी उत्थान कार्य अनगिनत।
लक्ष्मी सहगल भारत की शान,
हम सभी करते हैं उनका सम्मान।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

30/01/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 रानी दुर्गावती

गोंडवाना की रानी दुर्गावती ने,
वीरता से मुगलों से लड़ी लड़ाई।
युद्धभूमि में स्वयं कटार मार ली,
मगर मुगलों के हाथ नहीं आई।।

उसके लिए सर्वोपरि थी मातृभूमि,
और समर्पण व सम्मान।
1564 में शहादत प्राप्त कर,
अमर हुई देकर आत्म बलिदान।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 आनंदीबाई जोशी

भारत की प्रथम महिला डॉक्टर,
श्रीमती आनंदीबाई जोशी थी।
पश्चिमी चिकित्सा की डॉक्टर,
19वीं सदी की पथप्रदर्शक थी।।

महिलाओं की शिक्षा के लिए,
उन्होंने सराहनीय प्रयास किये।
राष्ट्रवादी विचारधारा के लिए,
आगे बढ़ने के मार्ग प्रशस्त किये।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 रानी लक्ष्मी बाई

झाँसी की रक्षा की खातिर,
जिसने तलवार उठाई थी।
भारत की वह बेटी वीरांगना,
रानी लक्ष्मीबाई कहलाई थी।।

अपने शौर्य पराक्रम से,
अंग्रेजों को धूल चटाई थी।
1857 की क्रांति मे रानी ने,
महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 सावित्रीबाई फुले

सावित्रीबाई फुले पहली शिक्षिका,
थी वह नारी महान,
झुकने नहीं दिया जिसने,
नारी का सम्मान।

अंधियारे समाज में,
शिक्षा का खिलाया गुलाब।
कलम थमाकर हाथो में,
जन-जन के पूर्ण किये ख्वाब।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

31.01.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

आनंदी बाई जोशी

नन्हीं उम्र में ठान लिया,
शिक्षा ही पहचान।
रूढ़ियों से लड़कर रचा,
नारी ने इतिहास महान।।

परदेस गईं ज्ञान हेतु,
भारत का मान बढ़ाया।
पहली महिला डॉक्टर बन,
जग को राह दिखाया।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर) गोरखपुर

2

किरण मजूमदार शाह

प्रथम पीढ़ी की उद्यमी,
व्यापार जगत में अग्रणी।
किरण मजूमदार शा हैं,
जैव प्रौद्योगिकी में अनुभवी।।

बायोकॉन लिमिटेड संस्थापक,
किरण मजूमदार शॉ है।
भारत की सबसे धनी,
प्रभावशाली महिला उद्यमी।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

गीता गोपीनाथ

अर्थशास्त्री बन परचम लहराया,
अमेरिका में भी नाम कमाया।
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की,
पहली उपप्रबंधक निदेशक बनी।।

हावर्ड विश्वविद्यालय में,
अर्थशास्त्र की प्रोफेसर बनी।
शिक्षा ली दिल्ली युनिवर्सिटी से,
प्रिंसटन से पी एच डी करी।।

रचना -
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली, अमौली,
फतेहपुर

4

फाल्गुनी नायर

स्वप्नो के अम्बर में भरी उड़ान,
महसूस नही की कभी थकान।
फाल्गुनी की जिद और जुनून ने,
'नायका' को दिलाई पहचान।।

सौन्दर्य की दुनियां सजाई,
हर महिला के मन को भायी।
कॉस्मेटिक, फैशन, लाइफस्टाइल,
ऑनलाइन ऑफलाइन 'नायका' है छाई।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- शिखा वर्मा, सीतापुर
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- प्रबीणा दीक्षित, कासगंज
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- पारुल चौधरी, बागपत
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम नैन, बागपत
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम